निरकतिर - २०१९

DIET आलप्पुषा

हिंदी

विकास दल :

शिवरामकृष्णन
एस.सी .यु .जी .वी.एच.एस .एस पट्टनककाड़,चेर्तला

मधुसूदनन पिल्लै के .जी
सरकारी हायर सेकेंडरी स्कूल ,बुधनूर

सन्नू वी.एस
जी .वी.एच.एस .एस आयॉड़,आलप्पुषा

बिंदु
लिटिल फ्लावर एच.एस कावालम

इकाई १

पाठ का नाम :

१.बीरबहूटी

२.हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था

३.टूटा पहिया

अधिगम उपलब्धियाँ :

* कहानी पढ़कर आशय प्रस्तुत करता है।
* कहानी के आधार पर वार्तालाप तैयार करता है।
* कहानी के आधार पर डायरी लिखता है।
* कविता पढ़कर आशय प्रस्तुत करता है।
* कविता पढ़कर टिप्पणी लिखता है।
* कविता पढ़कर पत्र तैयार करता है।

सूचना : निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखें।

पाँचवीं कक्षा का रिज़ल्ट आ गया। साहिल और बेला अलग - अलग स्कूल में पढ़ने जा रहे हैं। बेला राजकीय कन्या पाठशाला में और साहिल अजमेर के हॉस्टल में । बाद में उन्हें एकसाथ पढ़ने का अवसर नहीं मिलेगा।

१. अगले साल बेला कहाँ पढ़ेगी ?
राजकीय कन्या पाठशाला में

२. इस घटना के आधार पर बेला की डायरी लिखें।

आज साहिल और मैं बड़ी खुशी में थी। पाँचवीं का रिज़ल्ट तो अच्छा है। लेकिन अब हम दोनों एकसाथ पढ़ नहीं सकते। साहिल तो अजमेर जाएगा और मैं राजकीय कन्या पाठशाला में। हम आपस में देख नहीं सकते। साहिल को ज़रूर दुख होगा।। वह स्कूली दिन कभी नहीं लौट आएगा । बीर बहूटियों को खोजने में कितना मज़ा था। ये यादें मुझे रुलाती है। . . . .

३. बीरबहूटी कहानी का यह अंश पढकर एक पटकथा तैयार करें।

सहायक प्रश्न लें।

बेला और साहिल कहाँ है?(स्कूल, गाँव, शहर)

किसके बीच में वार्तालाप कर रहे हैं?

(सुरेंदरमाटसाब और दुकानदार, बेला और साहिल)

साहिल और बेला स्कूल में क्यों आए?

(रिसल्ट देखने, खेलने, अध्यापकों को देखने)

यह भी ध्यान दें।

* दृश्यों का वर्णन
* समय और स्थान का विवरण
* पात्रों की उम्र, वेषभूषा, चाल- चलन आदि का विवरण
* स्वाभाविक और पात्रानुकूल संवाद

संभावित उत्तर

दृश्य- १

स्थान : गाँव

शमय : सुबह दस बजे

पात्र : साहिल और बेला

पात्रों की उम्र : करीब १० साल

वेश भूषा : स्कूली वर्ति

चाल- चलन : मासूमियत चेहरे, उदासी मन

(बेला और साहिल आपस में रिपोर्ट कार्ड देख रहे हैं। आज आखिरी बारी वे एक दूसरे की कोई चीज़ को छूकर देख रहे हैं।)

बेला : अरे ! साहिल हम पास गए हैं।

साहिल : जी हाँ। कितनी खुशी की बात है न।

बेला : खुशी है पर दुखी भी है।

साहिल : क्यों बेला?

बेला : हमारा स्कूल पाँचवीं कक्षा तक ही है।

साहिल : यह बात ठीक है। अब तुम कहीँ पढोगी बेला?

बेला : मेरा पापा मुझे राजकीय कन्या पाठशाला भेजने की तैयारी में है और तुम ?

साहिल : पापा मुझे अजमेर भेज देंगे।

बेला : अब तुम फुलेरा में ही नहीं रहोगे?

साहिल : आँख में आँसु क्यों है बेला?

बेला : (डबडबाई आँखों से) मुझे क्या पता?

(साहिल की आँखें बीरबहूटी की तरह लाल होने लगी है और उनमें बीरिश की बूदों- सा पानी भर गया है।)

४. बिना कुछ गलती किए सुरेंदर माट्साहब ने बेला के बालों में पंजा फँसाया। उनका यह व्यवहार उचित है या नहीं ?

आपका मत प्रकट करें।

अध्यापक तो बाल मनोविज्ञान जाननेवाले हैं। कुछ गलती किए बिना उन्होंने बेला के बालों में पंजा फँसाया। उनका यह बर्ताव अनुचित है। बेला साहिल के सामने खुद को शर्मिंदा होने की नौबत आ गयी।

सूचना : कवितांश पढ़कर नीचे दिए प्रश्नों का उत्तर दें ।

हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था
व्यक्ति को मैं नहीं जानता था
हताशा को जानता था

१. इसमें वर्णित "मैं" कौन है?
विनोदकुमार शुक्ल
२. "निराशा" केलिए समानार्थक शब्द कौन- सा है ?
हताशा
३. यहाँ कवि किसके बारे में कहना चाहता हैं?
हताशा का बारे में
४. इस कविता का सन्देश क्या है ?
हमें किसी भी व्यक्ति की हताशा ,निराशा और असहायता को जानना पहचाना चाहिए।
५. "व्यक्ति को न जानना" और "हताशा के जानना" का मतलब क्या है?
(परोपकार, त्याग, दया)
६. प्रसतुत कवितांश पर टिप्पणी लिखें।

सूचना : कवितांश पढ़कर नीचे दिए प्रश्नों का उत्तर दें ।

मैं
रथ का टूटा हुआ पहिया हूँ
लेकिन मुझे फेंको मत !
क्या जाने ; कब
इस दुरूह चक्रव्यूह में
अक्षौहिणी सेनाओं को चुनौती देता हुआ
कोई दुस्साहसी अभिमन्यु आकर घिर जाए !

१. अभिमन्यु किसका प्रतीक है ?
(आम जनता ,शोषण का शिकार,साहसी युवा पीढ़ी)
२ . "चक्र" का समानार्थी शब्द क्या है ?
पहिया
३. अभिमन्यु को किसने चुनौती दी है?
अक्षौहिणी सेना
४. चक्रव्यूह कैसा है?
दुरूह

६. चक्रव्यूह किसने रचा है?

अक्षौहिणी सेना

३ . इस कवितांश पर टिप्पणी लिखें।

टूटा पहिया

यह कविता धर्मवीर भारती के कविता संग्रह ' सात गीत वर्ष ' से चुनी गई है। टूटा पहिया लघु और उपेक्षित मानव का प्रतीक है,जिसे बेकार समझकर फेंक दिया गया है। कवि उसकी संभावनाओं को पहचानता है और उसकी क्षमताओं का मूल्यांकन करता है। यह एक प्रतीकात्मक रचना है। इस प्रतीक को कवि ने महाभारत के कथानक से लिया है।

धर्मवीर भारती का कहना है कि टूटा हुआ पहिया भी संदर्भ आने पर उपयोगी हो सकता है इसलिए उसकी उपेक्षा नहीं करनी चाहिए। महाभारत युद्ध में अभिमन्यु ने बड़े बड़े महारथियों का सामना करते समय रथ के टूटे हुए पहिए का आश्रय लिया। अतः कवि टूटे हुए पहिए को तुच्छ समझकर न फेंकने का आह्वान करते हैं।

प्रश्नः

इतिहासों की सामूहिक गति
सहसा झूठी पड़ जाने पर
क्या जाने
सच्चाई टूटे हुए पहियों का आश्रय ले!

१. यहाँ टूटा पहिया किसका प्रतीक है?

(महामानव, विश्वमानव, लघुमानव)

२. '' सच्चाई टूटे हुए पहियों का आश्रय ले! ''- इससे आप क्या समझते है?

३. इन पंक्तियों पर टिप्पणी लिखें।

इकाई - २

पाठ का नाम : ऊँट बनाम रेलगाडी

सबसे बडा शो मैन

अधिगम उपलब्धियाँ

* संस्मरण पढकर आशय प्रस्तुत करता है ।
* जीवनी का अंश पढकर आशय प्रस्तुत करता है ।
* किसी घटना पर रपट तैयार करता है ।

प्रक्रियाएँ

* वार्तालाप तैयार करना । * व्याकरण कार्य करना ।
* सही मिलान करें । * वाक्यांश की पूर्ती करना ।
* डायरी लेखन करना । * पोस्टर तैयार करना ।
* रपट तैयार करना । *

गतिविधियाँ

सूचना : ऊँट बनाम रेलगाडी संस्मरण का यह अंश पढें और नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखें ।

फेलू और तोपसे फटाफट ऊँट की पीठ पर चढ़ जाते हैं लेकिन लालमोहन किसी तरह बडी मुशकिल से चढ़ पाता है । फेलू ऊँटवालों को आदेश देता है " चलो रामदेवरा" ।ऊँटों का काफिला चल रहा है और लालमोहन खतरे की घडी गिन रहा है ।

१. फेलू ने स्टेशन तक कैसे रवाना हो गया ?

(जीप से, ऊँट से, रेलगाड़ी से)

२ फेलू और ऊँटवालों के बीच का वार्तालाप तैयार करें ।

३. ऊँट पर की सवारी लालमोहन भूल नहीं सकता था । लालमोहन की उस दिन की डायरी कल्पना करके लिखें ।

II सुचना : " ऊँट बनाम रेलगाडी " संस्मरण पढकर नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखें ।

रेलगाडी के रुकते ही हम ने ड्राइवर को सारा मामला समझा दिया ।उसे एक चोथाई मील पीछे लौटना होगा और वहाँ से रेलगाड़ी फिर हमारी तरह आएगी, हम समय के अंदास में सवारी सहित ऊँटों के दल को रवाना कर देंगे ।

१. वहाँ से "रेलगाड़ी" फिर हमारी तरफ आएगी।

(यहाँ "रेलगाड़ी" के स्थान पर "ऊँटों का दल" का प्रयोग करके वाक्य का पुनर्लेखन करें)

२. सत्यजीत राय शूटिंग के संबन्ध में ड्राइवर को समझा रहे हैं। इस प्रसंग में ड्राइवर और सत्यजीत राय के बीच का वार्तालाप लिखें।

ड्राइवर : नमस्कार ,मैं इस रेलगाडी का ड्राइवर हूँ।

सत्यजीत राय : नमस्कार, मैं सत्यजीत राय, फिल्म का निदेशक हूँ।

ड्राइवर : जी, बताइए मुझे क्या करना चाहिए ?

सत्यजीत राय : आप एक चौथाई मील पीछे लौटना होगा और वहाँ से रेलगाड़ी फिर हमारी तरफ आना है ।

ड्राइवर : फिर

सत्यजीत राय : रेलगाड़ी के साथ ऊँटों के दल को भी दौड़ाएँगे। समझा?

ड्राइवर : ठीक है ।

३. वाक्यांश की पूर्ती करें।

समझा दिया।

____

____

रेलगाड़ी के रुकते ही ड्राइवर को सारा मामला समझा दिया।

४. संबन्ध पहचानें और सही मिलान करें।

ऊँट तो उनका दोस्त है	ऊँट की पीठ पर चढ़ जाते हैं।
ऊँट का इंतज़ाम हुआ	रेगिस्तान का एकमात्र सहारा।
फेलू और तोपसे	तो मामला रेलगाड़ी पर अड़क गयी।

उत्तर :

ऊँट तो उनका दोस्त है	रेगिस्तान का एकमात्र सहारा
ऊँट का इंतज़ाम हुआ	तो मामला रेलगाड़ी पर अड़क गयी।
फेलू और तोपसे	ऊँट की पीठ पर चढ़ जाता है।

५. . आप के स्कूल में सत्यजीत राय के फिल्मों का प्रदर्शन होनेवाला है। इसकेलिए एक पोस्टर तैयार करें।

सूचना : ‘‘ सबसे बडा शो मान " जीवनी का यह अंश पढें और नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखें।

मैनेजर ने चार्ली को माँ के कुछ दोस्तों के सामने अभिनय करते देखा था और उसे स्टेज पर भेजने की ज़िद करने लगा। माँ डर गयी। पाँच साल का बच्चा इस उग्र भीड़ को झेल पाएगा !

१. माँ के डर का कारण क्या है?

उत्तर : पाँच साल का बच्चा इस उग्र भीड़ का सामना कैसे करें ! यह सोचकर माँ डर गयी।

२. चार्ली का स्टेज पर आने की बात को लेकर माँ और मानेजर के बीच का वार्तालाप कल्पना करके तैयार करें।

संभावित उत्तर :

चार्ली की माँ : गा नहीं पा रही हुँ साहब।

मैनेजर : क्या हुआ?

चार्ली की माँ : आवाज़ नहीं आती है। लगता है, गले में कुछ खराबी है।

मैनेजर : लोग चिल्ला रहे हैं। लोगों को किसी भी तरह शाँत करना है।

चार्ली की माँ : मैं क्या करूँ, साहब?

मैनेजर : जरूर कुछ करना चाहिए। जल्दी ही चार्ली को स्टेज पर भेज दें।

चार्ली की माँ : वह कैसे हो सकता है? वह बच्चा है न?

मैनेजर : मैं ने उसे अभिनय करते देखा है।

चार्ली की माँ : पाँच साल का बच्चा इस उग्र भीड़ को झेल पाएगा !

३. सूचना के अनुसार पुनर्लेखन करें।

लड़का रोने लगा। लडकी रोने लगी।

मैं रोने लगा। ---------------

सूचना : ‘‘सबसे बडे शो मैन " जीवनी का अंश पढें और अनुबन्ध प्रशनों के उत्तर लिखें।

अंत में माँ जब उसे लेने आई तो दर्शकों ने देर तक खडे होकर तालियाँ बजाई। कई लोगों ने माँ के हाथ मिलाकर उसके छोटे बच्चे की तारिफ की। चार्ली स्टेज पर पहली बार आया और माँ आखिरी बार. . . . .

१. कई लोगों ने माँ से हाथ मिलाकर उसके छोटे बच्चे की तारिफ की। वाक्य के "उसके" में निहित सर्वनाम कौन- सा है ?

(वह, वे, यह)

२. चार्ली स्टेज पर पहली बार आया और माँ आखिरी बार. . . . . . एक कालजयी कलाकार का जन्म था। इस घटना पर समाचार तैयार करें।

३. आप के स्कूल में चार्ली चैप्लिन के फिल्मों का प्रदर्शन होनेवाला है। सब का स्वागत करने केलिए एक पोस्टर तैयार करें।

४. नमूने के अनुसार वाक्य की पूर्ति करें।

लोग चिल्लाने लगे। माँ डर से ----- । (काँप)

५. मैनेजर ने पैसों की पोटली माँ के हवाले कर दी। माँ के उस दिन की डायरी कल्पना करके लिखें।

इकाई- 3

पाठ का नाम : अकाल और उसके बाद

ठाकुर का कुआँ

अधिगम उपलब्धि : प्रगतिशील और जनवादी कविता की चर्चा करके टिप्पणी तैयार करता है।

कहानी के अंश पर पटकथा तैयार करता है।

कहानी पढकर आशय प्रस्तुत करता है।

कहानी के आधार पर वार्तालाप तैयार करता है।

प्रक्रिया :

पटकथा तैयार करना।

टिप्पणी तैयार करना।

वार्तालाप तैयार करना।

कविता का अंश पढकर आशय लिखें।

कई दिनों तक चूल्हा रोया, चक्की रही उदास
कई दिनों तक कानी कुतिया सोई उनके पास
कई दिनों तक नहीं भीत पर छिपकलियों की गश्त
कई दिनों तक चूहों की भी हालत रही शिकस्त

१. कई दिनों तक नही भीत पर छिपकलियों की गश्त- - - कवि ने ऐसा क्यों कहा है ?

२. चूहों की भी हालत रही शिकस्त (हालत के बदले ' हाल ' का प्रयोग)

३. आँगन से ऊपर धुआँ कब उठता है ?

(खाना न पकाने पर, खाना पकाने पर, खाना खाने पर)

अगस्त महीने केरल में महाप्रलय का अनुभव हुआ।इसी अनुभवों से "प्रकृति की संसाधनों की सुरक्षा" विषय पर पोस्टर तैयार करें।

अथवा

अपना अनुभव डायरी के रूप में लिखें।

१. ठाकुर का कुआँ कहानी के मंचीकरण केलिए पटकथा तैयार करें।

सूचना : ठाकुर का कुआँ कहानी का अँश पढकर नीचे दिए प्रश्नों के उत्त्रर लिखें।

गंगी ने पानी न दिया। खराब पानी से बीमारी बढ़ जाएगी, इतना मानती थी, परंतु यह न मानती थी कि पानी को उबाल देने से उसकी खराबी जाती रहती है।

१. " उसकी " में निहित सर्वनाम क्या है?

(वह, वे, यह)

२. पानी की खराबी कैसे जाती रहती है?

(ठंडा देने से, ढक देने से, उबाल देने से)

३. गंगी ने पानी को पीने नहीं दिया I क्यों ?

* गंगी का विद्रोही दिल रिवाज़ी पाबंदियों पर चोटें करने लगा. . . . .

जाति- प्रथा के विरूद्ध पोस्टर तैयार करें।

* कुएँ पर स्त्रियाँ पानी भरने आयी थीं। संभावित वार्तालाप तैयार करें ।

* घर पहुँचकर देखा कि जोखु लोटा मुँह से लेकर वहीं मैला- गंदा पानी पी रहा है। यह देखकर गंगी दुखी है। उसने अपने मन की बातें सहेली से बताईं। दोनों के बीच का वार्तालाप कल्पना करके लिखें।

* कोई बडा शहजीर पहलवान भी इतनी तेज़ी से न खींच सकता था I ऐसा क्यों कहा गया है?

*   वाक्यांश की पूर्ति करें।

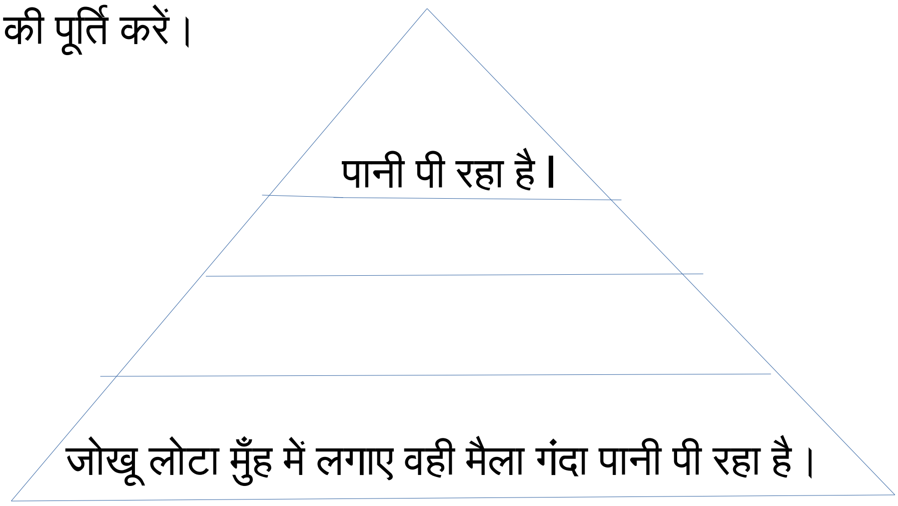

*   ठाकुर का कुआँ कहानी में किस सामाजिक समस्या की चर्चा की गयी है?

    जाति- प्रथा की चर्चा की गयी है।

इकाइ- 4

पाठ का नाम : बसंत मेरे गाँव का

जैसलमेर

अधिगम उपलब्धियाँ :

लेख पढकर आशय प्रस्तुत करता है।

पोस्टर तैयार करता है।

वर्तमान काल के वाक्यों को पहचानकर लिखता है।

सर्वनाम और प्रत्ययों का योग समझकर लिखता है।

वाच्य बदलकर लिखता है।

यात्रा वृत्त पढ़ता है और आशय प्रस्तुत करता है।

प्रक्रियाएँ :

*   पत्र तैयार करना ।   *   वार्तालाप तैयार करना। * व्याकरण कार्य करना।
*   टिप्पणी लिखना ।   *   वाक्याँश की पूर्ति करना। *पोस्टर तैयार करना।

गतिविधियाँ :

१. बसंत फूलदेई का त्योहार लेकर आता है। इल साल के फूलदेई का त्योहार मनाने केलिए अपने दोस्त के नाम पर मिहिर ने पत्र भेजा। वह कल्पना करके तैयार करें।

अथवा

सुदूर दक्षिण से आनेवाले महात्माओं से फूलदेई के त्योहार के बारे में मुकेश नेटियाल ने बातें की। संभावित वार्तालाप तैयार करें।

२. वाक्यांश की पूर्ति करें।

धूप तपाने लगती है।

____

____

बसंत की गुनगुनी धूप दोपहरी में तपाने लगती है।

३. नमूने के अनुसार नीचे दिए वाक्य बदलकर लिखिए।

उदा : शीला रोटी बनाती है।
शीला से रोटी बनायी जाती है।

वीणा आम खाती है।

वीणा. . . . .

सूचना : “ बसंत मेरे गाँव का " लेख का यह अंश पढें और नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखें।

इस आयोजन में बडों की भूमिका केवल सलाह देने तक सीमित होती हे। बाकि सारे काम बच्चे करते हैं। उत्तराखंड के हिमालयी अंचल में फूलदेई से बड़ा बच्चों का कोई दूसरा त्योहार नहीं है।

१. नमूने के अनुसार वाक्य बदलकर लिखें।

बच्चे पढते हैं।
बच्चा पढता है।

सारे काम बच्चे करते हैं।

. . . .

२. फूलदेई त्योहार बच्चों का त्योहार है। इस केलिए एक पोस्टर तैयार करें।

प्रश्न लें :

* त्योहार का नाम क्या है?
* यह किसका त्योहार है?
* यह त्योहार कहाँ मनाते हैं ?

सूचना : " बसंत मेरे गाँव का " अंश पढ़कर नीचे दिए प्रश्नों के उतर लिखें।

मकर संक्राति से तपता सूरज अब नंदा पर्वत की ओर बढने लगता है। गंगा में पानी की धारा तेज़ हो जाती है। ठंड के मौसम में बर्फीले इलाके से निचले इलाकों में उतरे पशुचारक वापस घरों में लौटने लगते हैं। महीनों तक फैले चरागाहों , घने जंगलों ओर अनजान बस्तियों में भटकने के बाद अपने घर लौटने की खुशी उत्सव का माहौल रच देती है।

१. पशुचारकों की खुशी का कारण क्या है?

क) गंगा में पानी की धारा तेज़ है।

ख) महीनों बाद धर लौटने का समय आया है।

ग) सूरज तप रहा है।

२. गंगा में पानी की धारा तेज़ हो जाती है। धारा के स्थान पर "प्रवाह" का प्रयोग करके लिखें।

* मिहिर ने रेलगाड़ी में जयपुर की यात्रा की। उनके इन अनुभवों को लेकर डायरी तैयार करें।

* इन बातों पर ध्यान दें।

* स्थान का नाम
* तारीख
* विषय पर आधारित
* आत्मनिष्ठ भाषा का प्रयोग

२. सुना है इस किले को यह नाम सत्यजीत राय के सोनार किला नाम से एक मशहूर उपन्यास से मिला है- - - सोनार किले देखते समय के अनुभवों को लेकर मिहिर की डायरी तैयार करें।

३. ‘‘ दीवाली का दिन आया। उस दिन हम हिन्दुस्तान की आखिरी सीमा देखने गए।" - वहाँ के आनुभवों को लेकर मिहिर ने अपने दोस्त के नाम एक पत्र लिखा। कल्पना करके पत्र तैयार करें।

सूचना : जैसलमेर पाठ का अंश पढ़ें औऱ प्रश्नों के उत्तर लिखें।

दुनिया सच में बहुत छोटी है दोस्तों। देश के इस पश्चिमी जिले में हमें ' दुनिया के छत्त ' तिब्बत से आए दोस्त भी मिले। यह लोग किले के अंदर की एक रेस्तराँ चलाते है- जिसका नाम है- फ्री तिब्बत रूफ टॉप रेस्टोरट। अब कहाँ तिब्बत की बर्फ और कहाँ जैसलमेर की तेज़ गरमी. . . . लेकिन काम की तलाश क्या- क्या नहीं करवाती। और फिर पेट भर खाना, सर ढकने को छत्त मिल जाए तो परदेश भी घर हो जाता है।

१. किले के अंदर के रेस्तराँ का नाम क्या है?

२. तिब्बत्त से आए दोस्तों से मिले। उनके साथ मिहिर का संभावित वार्तालाप लिखें।

* सही मिलान करें।

सत्यजीत राय	फेलूदा
जासूस	लोल्नी प्लैनेट
दुनिया की छत्त	गूपी गाईन, बाघा बाईन
पर्यटक गाइड	तिब्बत्त

* लेकिन माइकल एक सीखा हुआ ऊँट था। . . . . ऊँट की सवारी के अनुभवों पर मिहिर ने अपनी डायरी लिखी। कल्पना करके तैयार करें।

इकाई ५

पाठ का नाम :

बच्चे काम पर जा रहे हैं
गुठली तो पराई है

अधिगम उपलब्धियाँ :

* कविता पढ़कर आशय प्रस्तुत करता है।
* बालश्रम के कारणों पर विचार करता है और सूचिबद्ध करता है।
* कहानी पढ़कर आशय प्रस्तुत करता है।

प्रक्रिया :

* बालश्रम के विरुद्ध पोस्टर तैयार करें।
* कविता का आशय लिखें।
* पाठ के आधार पर सही मिलान करें।
* वार्तालाप तैयार करें।

गतिविधियाँ :

१. सूचना : “ बच्चे काम पर जा रहे हैं " नामक कविता के निम्न लिखित अंश पढकर उसके नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखें।

क्या सारे मैदान, सारे बगीचे और घरों के आँगन
खतम हो गए है एकाएक
तो फिर बचा ही क्या है इस दुनिया में ?
कितना भयानक होता अगर ऐसा होता
भयानक है लेकिन इससे भी ज्यादा यह
कि है सारी चीजें हस्बमामूल

१. “ कितना भयानक होता अगर ऐसा होता”- - यहाँ भयानक बात क्या है?

२. भयानक है लेकिन इससे भी ज़्यादा यह
है कि सारी चीज़ें हस्बमामूल - इन पंक्तियों से कवि क्या कहना चाहते हैं ?

२. नीचे दिए आशयवाली पंक्तियाँ चुनकर लिखें।

क्या सारे मैदान, सारे बगीचे और घरों के आँगन सब एक साथ खतम हो गए है।

३. कवितांश के आधार पर बालश्रम के विरुद्ध एक पोस्टर तैयार करें।

इन बातों पर ध्यान दें :

* शीर्षक हो
* आकर्षक रूप
* संक्षिप्त हो
* आकर्षक रूप से संदेश लिखा हो

४. कविताँश की आस्वादन टिप्पणी लिखें।

सूचना: गद्यांश पढें और नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखें।

चाहे बच्चे हो या बड़े, लड़का हो या लड़की, सबके अधिकार एक समान है। हर बच्चे का अपना- अपना एक हक़ है। यहाँ कुछ बच्चे अपने हकों से वंचित है। उनको काम करके घर संभालना पड़ता है या कुछ अन्य कारणों से काम करना पडता है।

१. सबका अधिकार कैसा होना चाहिए?

सबका अधिकार समान होना चाहिए।

२. कौन अपने हकों से वंचित है?

बच्चे अपने हकों से वंचित है।

३. "बच्चे अपने हकों से वंचित है'' - इस विषय पर स्कूल में संगोष्ठी चलानेकेलिए एक पोस्टर तैयार करें।

सूचना : "गुठली तो पराई है" - नामक कहानी का अंश पढ़कर नीचे
दिए प्रश्नों के उत्तर लिखें।

"बेटा, बुवा की बात का बुरा मत मान और जो कल होना है उसे लेकर आज क्यूँ परेशान होना। ये दिन फिर लौट के नहीं आनेवाले हैं इन्हीं जी भर के जी लें।" माँ की बातों से गुठली और भी हताश हो गई। लगा जैसे उसके पैरों के नीचे से ज़मीन खींच ली गई हो।

१. "उसके" में निहित सर्वनाम लिखें।
(वह, ये, वे)

२. इस दिन गुटली ने अपनी डायरी लिखी। कल्पना करके तैयार करें।

प्रश्न लें :

१. कौन हताश हो गई है ?

२ . किसकी बात को बुरा कहा है ?

३ . किसकी बातों से गुठली और भी हताश हो गई ?

४. अपने पैरों के नीचे से ज़मीन खींच ली गई हो । किसको ऐसा लगा है ?

→ डायरी लिखते समय ये बातें भी ध्यान दें -

* **रूपरेखा (तारिख ,दिन ....)**
* **आत्मनिष्ठभाषा**